कोटद्वार, मंगलवार
31 मार्च 2026
वर्ष: 48
अंक: 300 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

ओबीसी कैटेगरी से बाहर करें मुसलमानों को... बीजेपी सांसद के लक्ष्मण की मांग पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में सोमवार को खूब गहमागहमी देखने को मिली। राज्यसभा में सोमवार को बीजेपी सांसद के लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग उठा दी। जिस पर ऊपरी सदन में खूब हंगामा मच गया। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। राज्यसभा में बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग की, जिसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया। उधर लोकसभा में भी भारी हंगामे के चलते कार्यवाही 12:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा में सोमवार को उस वक्त माहौल गरमा गया जब बीजू जनता दल के सांसदों ने विरोध स्वरूप राज्यसभा से वॉकआउट किया। यह विरोध निशिकांत दुबे द्वारा ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक पर की गई कथित विवादित टिप्पणी के खिलाफ किया। बीजेडी सांसदों के नेता सास्मित पात्रा ने कहा कि दुबे ने बीजू पटनायक को 'सीआईए एजेंट' बताया, जो न केवल अपमानजनक है बल्कि सम्मानित नेता की छवि को ठेस पहुंचाने वाला बयान है। इस मामले को लेकर बीजेडी के सभी सांसदों ने एकजुट होकर राज्यसभा से वॉकआउट कर सदन के बाहर अपना विरोध दर्ज कराया। यह विरोध केवल सदन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे पहले सांसद पात्रा ने एक और बड़ा कदम उठाकर संसदीय स्थायी समिति (आईटी) से इस्तीफा भी दे दिया था, जिसकी अध्यक्षता दुबे कर रहे हैं।

पंजाब में अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत, पांच घायल

बठिंडा (एजेंसी)। बठिंडा-डबवाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मचाना गांव के पास पेट्रोल पंप के नजदीक कार से सामने की टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई जबकि तीन महिलाओं समेत 5 गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बठिंडा के एम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं एक अन्य हादसे में जगराते से लौटते समय कार टैंपो ट्रैवलर से टकरा गई। इस हादसे में मां-बेटा व पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है, जिसे हरियाणा के अस्पताल में भर्ती कराया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मल्लवाला निवासी स्वर्णजीत सिंह, विक्की सिंह और गुरुसर सैनेवाला निवासी प्रेम सिंह जस्सी बागवाली गांव में दर्शन कर लौट रहे थे। तभी उन्होंने बाइक को भारत माला रोड के गलत साइड पर मोड़ दिया सामने आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीनों युवक घायल हो गए। वहीं कार में सवार तीन महिलाओं समेत पांच लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां बाइक सवार तीनों युवकों की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस मृतकों के परिजनों के बयानों पर कार चालक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। वहीं दूसरे हादसे में मां-बेटा और पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है। पोते के जन्म की खुशी में परिवार ने एक दिन पहले प्रार्थना सभा आयोजित की थी, लेकिन अगले दिन घर में मातम छा गया। अमर (22) और उसकी माता निर्मला देवी (50) अपनी बेटी के ससुराल में पोते के जन्म की खुशी में आयोजित जगराते में शामिल होने हरियाणा गए थे। जगराते के बाद जब माता-पिता पक्का कलां गांव लौटने लगे तो उनकी बेटी और पोता भी उनके साथ चले गए। फतेहाबाद के पास उनकी कार की टैम्पो ट्रैवलर से टक्कर हो गई जिसमें तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देशभर में बम की धमकी से दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार, 1100 ई-मेल भेजकर मचाया था हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को बम से उड़ाने की झूठी धमकी देकर सनसनी फैलाने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत कर्नाटक के मैसूर से 47 वर्षीय श्रीनिवास लुईस को दबोचा है। आरोपी की गिरफ्तारी कर्नाटक पुलिस के सहयोग से मैसूर के वृंदावन लेआउट स्थित एक मकान से की गई है। पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप और कई सिम कार्ड बरामद किए हैं, जिनका उपयोग धमकियां भेजने के लिए किया जा रहा था। आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया जा रहा है, जहाँ उससे गहन पूछताछ की जाएगी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अनुसार, आरोपी श्रीनिवास लुईस ने अब तक लगभग 1,100 धमकी भरे ई-मेल भेजने की बात कबूल की है। वह अपनी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग तकनीकी तरीकों और सिम कार्डों का इस्तेमाल करता था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने दिल्ली हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश को भी व्यक्तिगत रूप से धमकी भरा ई-मेल भेजा था, जिसके बाद मामला दर्ज कर तकनीकी पड़ताल शुरू की गई थी। हफ्तों तक चली इस जांच के बाद पुलिस आरोपी के ठिकाने तक पहुँचने में सफल रही। पुलिस जांच में आरोपी की पृष्ठभूमि को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मूल रूप से बेंगलुरु का रहने वाला श्रीनिवास पोस्टग्रेजुएट है, लेकिन वर्तमान में उसके पास कोई रोजगार नहीं है। वह अपनी बुजुर्ग मां के साथ रहता है, जो एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं और घर का खर्च उनकी पेंशन से ही चलता है। शुरुआती जांच में पुलिस को संदेह है कि आरोपी गंभीर मानसिक तनाव से जूझ रहा था और संभवतः इसी हताशा में उसने इस तरह के कृत्यों को अंजाम दिया। पुलिस का मानना है कि उसने जान-बूझकर अदालतों और स्कूलों जैसे संवेदनशील संस्थानों को निशाना बनाया ताकि बड़े पैमाने पर दहशत पैदा की जा सके। श्रीनिवास की इन झूठी धमकियों की वजह से पिछले कुछ समय में सुरक्षा एजेंसियों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। कई बार स्कूलों और कार्यालयों को आनन-फानन में खाली कराना पड़ा, जिससे सामान्य कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ और जनता के बीच डर का माहौल बना रहा। अब दिल्ली पुलिस इस बात की तफ्तीश कर रही है कि क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल था या श्रीनिवास ने अकेले ही इन वारदातों को अंजाम दिया।

राज्यसभा से हो रही दिग्गी राजा की विदाई.... लेकिन सियासी गलियारों में अगले कदम पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सियासी गलियारे में दिग्गी राजा के नाम से मशहूर दिग्विजय सिंह की राज्यसभा की पारी अगले महीने समाप्त होने वाली है। लेकिन सियासी हलकों में बड़ा सवाल यही है कि राज्यसभा से विदाई के बाद वे क्या करने वाले है।

मध्य प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव रहे दिग्विजय कांग्रेस पार्टी के अहम सिपहसालार तथा रणनीतिकार की भूमिका में रहे हैं। वे भले ही 79 साल की उम्र में प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन अनुशासित जीवनशैली ने उन्हें आज भी पूरी तरह से चुस्त और तंदुरुस्त बनाए रखा है। दिग्गी राजा के बेटे जयवर्द्धन सिंह मध्य प्रदेश की राजनीति में जड़ें जमा चुके हैं। इसके बाद अपने गृह प्रदेश में उनके लिए गुंजाइश थोड़ी कम हो गई है। राष्ट्रीय राजनीति में भी दिग्विजय के लायक कोई ओहदा खाली दिखाई नहीं दे रहा।

बात दें कि सितंबर-अक्टूबर 2022 को पार्टी हाईकमान के खिलाफ अशोक गेहलोत की अप्रत्याशित बगावत ने दिग्विजय के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का 88वां अध्यक्ष बनने की राह अचानक से खोल दी थी। तब उन्हें राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को छोड़कर आनन-फानन में दिल्ली आना पड़ा था। यह सियासी विडंबना ही थी कि दिग्विजय ने

जिस वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे से आशीर्वाद मांगा, कुछ घंटों बाद वे अध्यक्ष पद के लिए उन्हीं के नाम का अनुमोदन करते दिखाई दिए।

अनौपचारिक वार्ताओं में राहुल गांधी को यह मशविरा दिया गया है कि बहुसंख्यक समुदाय के बीच पार्टी की पैठ बनाने के लिए दिग्विजय की सेवाओं का इस्तेमाल विभिन्न साधु-संतों, गुरुओं और हिंदू धर्माचार्यों को जोड़ने वाले एक सेतु के रूप में हो सकता है।

दिग्विजय भगवा पार्टियों के 'हिंदुत्व' का विरोध कर स्वयं को सनातन धर्म का मुखर समर्थक बताते हैं। वे 'सच्चे हिंदुत्व' को परिभाषित करने के मसले पर कई बार भाजपा, आरएसएस, विहिप और अन्य हिंदूवादी संगठनों को 'शास्त्रार्थ' की चुनौती दे चुके हैं। उनका कहना है कि जो भी 'सर्वधर्म समभाव' में विश्वास नहीं रखता, वह सनातन धर्म का सच्चा अनुयायी नहीं हो सकता। उनके मुताबिक, हमारा सबसे पवित्र ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता है, न कि मनुस्मृति है। इस सप्ताह रामनवमी पर भी दिग्विजय अयोध्या में दिखाई दिए थे। इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि वे न धर्म की राजनीति करते हैं और न धर्म का राजनीति के लिए दुरुपयोग करते हैं।

एक दिलचस्प बात यह है कि दिग्विजय को उनके गृहनगर राघोगढ़ में 'हिंदूपति' यानी धर्म का रक्षक कहा जाता है। यह उपाधि महान योद्धा पृथ्वीराज चौहान के दौर से जुड़ी है, जिनके वंशज होने का दावा उनका परिवार करता है। पार्टी के अनेक नेताओं का कहना है कि अगर राहुल गांधी दिग्विजय सिंह के पुराने रिकॉर्ड को निकलने पर कई काम सामने आएंगे,जो आज की राजनीति में उन्हें और भी प्रासंगिक ठहराते हैं। फरवरी 2002 का 'दिघोरी सम्मेलन' इसकी सबसे बड़ी मिसाल है, जिसका मकसद राम जन्मभूमि आंदोलन पर विश्व हिंदू परिषद के एकाधिकार को ध्वस्त करना था। दिग्विजय, जो तब मप्र के मुख्यमंत्री थे, ने अपने गुरु स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की मदद से कांची कामकोटि पीठ के सम्मानित शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती और पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती को एक मंच पर लाने का कारनामा किया था। इन लोगों ने मिलकर स्वामी स्वरूपानंद की अगुवाई में एक 'रामालय ट्रस्ट' का गठन किया था। उन्होंने इसके बाद राम मंदिर निर्माण का जिम्मा विहिप के बजाय इस ट्रस्ट को सौंपे जाने का दावा किया था। तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी दिघोरी में इन तीन शंकराचार्यों के साथ मंच साझा किया था। सोनिया के इस रुख से तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी काफी असहज हो गए थे। राम मंदिर के मुद्दे पर शंकराचार्यों के साथ सोनिया की नजदीकी पर वाजपेयी ने संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। उन्होंने सवाल उठाया था कि जब सोनिया शंकराचार्यों के सामने नतमस्तक हो सकती हैं, तब विहिप के संतों से बातचीत करने के लिए उनकी आलोचना क्यों की जा रही है? वाजपेयी ने चुटकी लेकर कहा था, 'अगर वे शंकराचार्य का आशीर्वाद ले सकती हैं, तब मुझे महंत रामचंद्र परमहंस का आशीर्वाद लेने से वंचित क्यों किया जाना चाहिए?'

कांग्रेस सांसद प्रशांत पडोले सड़क हादसे में बाल-बाल बचे, कार के एयरबैग न खुलने पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा-गोंदिया क्षेत्र से कांग्रेस सांसद डॉ.प्रशांत पडोले सोमवार सुबह एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब वे अपने निजी वाहन से भंडारा से नागपुर एयरपोर्ट के लिए निकले थे। सांसद को दिल्ली में आयोजित संसद सत्र में शामिल होने के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन रास्ते में ही एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत यह रही कि इस भीषण टक्कर के बावजूद सांसद और उनके ड्राइवर को कोई गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। दुर्घटना के तुरंत बाद सांसद डॉ.प्रशांत पडोले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इस घटना की जानकारी साझा की। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को टैग करते हुए देश में सड़क सुरक्षा और वाहनों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, सांसद सुरक्षित नहीं, तो जनता का क्या होगा? उन्होंने विशेष रूप से कार की सुरक्षा प्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इतनी जोरदार टक्कर के बाद भी वाहन के एयरबैग नहीं खुले। उन्होंने सरकार से मांग की कि वाहन निर्माता कंपनियों को सख्त आदेश दिए जाने चाहिए ताकि दुर्घटना के समय सुरक्षा उपकरण सही ढंग से काम करें। हादसे के बाद सांसद ने गजब की कर्तव्यनिष्ठा और जीवटता का परिचय दिया। मामूली चोटों और कार के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद उन्होंने अपना दिल्ली दौरा रद्द नहीं किया। प्राथमिक उपचार के बाद, उन्होंने एक दोपहिया वाहन से लिफ्ट ली और नागपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे संसद सत्र में शामिल होने के लिए दिल्ली के लिए रवाना हो गए। उनके समर्थकों और स्थानीय नागरिकों ने उनकी इस सक्रियता की सराहना की है, लेकिन साथ ही बार-बार हो रहे हादसों पर चिंता भी जताई है। उल्लेखनीय है कि डॉ. प्रशांत पडोले के साथ यह दूसरी बड़ी सड़क दुर्घटना है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी वे एक सड़क हादसे का शिकार हुए थे। उस समय वे मुंबई से भंडारा लौट रहे थे, तभी सुबह के वक्त नागपुर बायपास के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। पिछले साल हुए उस हादसे में भी वे और उनके ड्राइवर बाल-बाल बचे थे। एक साल के भीतर दूसरी बार हुए इस हादसे ने सुरक्षा मानकों और व्यस्त राजमार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और टक्कर मारने वाले ट्रक की पहचान की कोशिश की जा रही है।

एआईएमआईएम नेता जामई पर मृतकों के नाम पर चंदा जुटाने का आरोप: पुलिस में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जामई एक गंभीर विवाद में फंस गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने हत्या के मामलों में जान गंवाने वाले युवकों के परिवारों की त्रासदी का फायदा उठाकर सोशल मीडिया के जरिए लाखों रुपये का चंदा इकट्ठा किया, लेकिन यह राशि पीड़ित परिवारों तक नहीं पहुंचाई गई। इस मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है और दिल्ली पुलिस के पास दो अलग-अलग परिवारों ने गंभीर शिकायतें दर्ज कराई हैं।

विवाद की शुरुआत 7 मार्च को चांदनी चौक के स्क्रैप कारोबारी मोहम्मद अरीब की हत्या के बाद हुई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद शोएब जामई संवेदना व्यक्त करने उनके घर पहुंचे और वहां एक वीडियो रिकॉर्ड किया। बाद में इस वीडियो को उनके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक क्यूआर कोड के साथ पोस्ट किया गया। अरीब के भाई मोहम्मद अदीब ने डीसीपी को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि यह क्यूआर कोड 'सादिया फातिमा' नामक किसी अज्ञात महिला के नाम पर था, जिससे परिवार का कोई संबंध नहीं है। अदीब का दावा है कि इस माध्यम से लगभग 7 से 8 लाख रुपये जुटाए गए, जबकि परिवार को कोई आर्थिक मदद नहीं मिली। जब परिवार ने आपत्ति जताई, तो उन्हें बताया गया कि यह आईटी टीम की तकनीकी गलती थी और केवल मामूली रकम ही जमा हुई है।

इसी तरह का एक और मामला मानसरोवर पार्क इलाके से सामने आया है। सिराजुद्दीन अंसारी नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि नवंबर 2025 में उनके नाबालिग बेटे की हत्या के बाद भी इसी तरह का चंदा अभियान चलाया गया था। अंसारी का आरोप है कि शोएब जामई ने उनके बेटे के नाम और वीडियो का इस्तेमाल कर सादिया फातिमा के क्यूआर कोड के जरिए पैसे जुटाए, लेकिन उन्हें फूटी कौड़ी भी नहीं दी गई। अंसारी ने स्पष्ट किया कि वे अपने बेटे के नाम पर किसी भी तरह का अवैध फंड इकट्ठा करने के खिलाफ हैं। इन आरोपों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है, क्योंकि जामई को पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का करीबी माना जाता है। दूसरी ओर, शोएब जामई ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया है। उनका दावा है कि विपक्षी दलों से जुड़े लोग और पार्टी के कुछ पूर्व सदस्य एआईएमआईएम की छवि खराब करने के लिए पीड़ित परिवारों को गुमराह कर रहे हैं। जामई का कहना है कि उन्होंने अपने बैंक स्टेटमेंट और साक्ष्य जांच एजेंसियों को सौंप दिए हैं। फिलहाल, पुलिस इस पूरे वित्तीय लेनदेन और क्यूआर कोड से जुड़े बैंक खातों की जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

सीएम ममता ने खुद की हत्या की आंशका जाहिर की... विपक्षी सांसदों का मिला साथ

सांसदों ने कहा, कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा खुद की हत्या होने की आशंका का विपक्ष के सांसदों ने समर्थन कर दिया है। विपक्षी सांसदों ने कहा कि कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने मुद्दे पर चिंता जाहिर कर कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ममता पहले भी कई बार राजनीतिक हिंसा से प्रभावित हो चुकी हैं, यहां तक कि वामपंथियों के खिलाफ संघर्ष के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। टीएमसी सांसद आजाद ने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष ममता से क्या चाहता है और क्या इस तरह के माहौल में उनकी सुरक्षा को खतरा नहीं है।

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव

कुमार राय ने ममता के बयान का समर्थन कर कहा कि उन्होंने बहुत कम कहा है। देश में ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है, जहां लोगों को यह तक तय करने की आजादी नहीं है कि वे क्या खाएं, क्या पहनें, क्या बोलें या क्या लिखें। इस तरह के बयान खुद ही मौजूदा हालात की सच्चाई बयां करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखकर ममता के बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि महाराष्ट्र में एक पूर्व उपमुख्यमंत्री के निधन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर भी सपा सांसद राय ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को लेकर बार-बार बयान दिए जाते हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनावी भाषणों तक सीमित रह गई है और वास्तविक मुद्दों पर काम करने में विफल रही है। वहीं कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने भी ममता बनर्जी का समर्थन कर कहा कि अगर उन्होंने इस तरह की बात कही है, तब हो सकता हैं उनके पास कोई इनपुट होगा।

तमिलनाडु में बगावत की आशंका : पीएम मोदी का स्वागत करने नहीं आए भाजपा के अन्नामलाई?

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी सरगर्मी के बीच रविवार को एक बेहद दिलचस्प और चर्चाओं से भरी तस्वीर सामने आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान जब दोपहर करीब 1:30 बजे कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ, तो वहां उनके स्वागत के लिए भाजपा और एआईएडीएमके के कई दिग्गज नेता मौजूद थे। हालांकि, इस औपचारिक स्वागत समारोह में प्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की गैरमौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, स्वागत करने वाले नेताओं की सूची में अन्नामलाई का नाम प्रमुखता से शामिल था, लेकिन उनके एयरपोर्ट न पहुंचने से गुटबाजी और अंदरूनी खींचतान की अटकलें तेज हो गई हैं। इस घटनाक्रम पर स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा नेता वनाथी श्रीनिवासन ने मीडिया से कहा कि अन्नामलाई का नाम निर्धारित सूची में था, लेकिन वे किन कारणों से नहीं आ सके, इसकी जानकारी उनसे ली जाएगी। उन्होंने पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाजी से इनकार करते हुए जोर दिया कि सभी नेता एकजुट हैं और उम्मीदवारों के चयन का अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत करने वालों में नैनार नागेंद्रन, एल मुरुगन और वनाथी श्रीनिवासन के साथ सहयोगी दल एआईएडीएमके के नेता एस.पी. वेलुमणि भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री यहां से हेलीकॉप्टर के जरिए चुनावी प्रचार के लिए केरल रवाना हो गए।

ईरान में एयर स्ट्राइक से फैल रहा जहरीला धुआं, ब्लैक रेन हो सकती है खतरनाक : संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सोमवार को मध्य पूर्व में चल रहे ईरान-इजरायल युद्ध का मुद्दा उठाकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने इसके गंभीर वैश्विक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अब एक महीने से अधिक समय से जारी है और इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहे हैं।

शिवसेना यूबीटी नेता राउत के अनुसार, इस युद्ध के कारण ईंधन और एलपीजी जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक स्तर पर संकट गहराता जा रहा है। हालांकि उन्होंने विशेष रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरों को अधिक गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में एयर स्ट्राइक के कारण ऑयल रिफाइनरी और गैस भंडारों में भीषण आग लगी है, जिससे भारी मात्रा में जहरीला धुआं

वातावरण में फैल गया है। इस धुएं में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य खतरनाक रसायन शामिल हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने बताया कि वहां के लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने 'ब्लैक रेन' यानी काली बारिश की घटनाओं का भी उल्लेख किया, जिसमें विषैले तत्व शामिल होते हैं। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनियों का हवाला देकर कहा कि यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रदूषण सीमाओं में बंधा नहीं रहेगा और भविष्य में भारत के पश्चिमी राज्यों—गुजरात, राजस्थान और पंजाब—पर भी असर डाल सकता है। इससे वायु गुणवत्ता खराब होने, एसिड रेन की संभावना बढ़ने, फसलों के नुकसान, मिट्टी के दूषित होने और सांस संबंधी बीमारियों व कैंसर जैसी समस्याओं के बढ़ने का खतरा है। संजय राउत ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जाए। साथ ही पश्चिमी राज्यों में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए और एक प्रभावी अलर्ट सिस्टम तैयार रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस पर्यावरणीय संकट के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, ताकि युद्ध को जल्द समाप्त किया जा सके। उन्होंने निष्कर्ष में कहा कि यह युद्ध अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा, बल्कि वैश्विक पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है।

टोल टैक्स को लेकर भड़के पंजाब के किसान, भारी बारिश के चलते कर दिया चक्का जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भारी टोल टैक्स और प्रवेश शुल्क के विरोध में सोमवार को पंजाब-हिमाचल सीमा पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। पंजाब मोर्चा के कन्वीनर गौरव राणा, कीर्ति किसान मोर्चा के प्रधान हरप्रीत सिंह भट्ठो और बीकेयू के नेताओं के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। मूसलाधार बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों के हौसले पस्त नहीं हुए और उन्होंने घंटों तक चक्का जाम जारी रखा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और पंचायत मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलनकारी नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने टैक्स कम नहीं किया और टोल नाके नहीं हटाए, तो यह

संघर्ष और तेज होगा।

नेताओं का कहना है कि अब समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है और सरकार को जनहित में इन शुल्कों को तुरंत वापस लेना होगा। इस मुद्दे पर पंजाब सरकार से भी अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है, क्योंकि विधानसभा में भी इस मामले का अब तक कोई ठोस हल नहीं निकल सका है। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी पूरा सहयोग दिया, जिससे यातायात व्यवस्था लंबे समय तक ठप रही। जाम की सूचना मिलने पर तहसीलदार संदीप कुमार और थाना प्रभारी जतिन कपूर के नेतृत्व में प्रशासन मौके पर पहुँचा। करीब ढाई घंटे के गतिरोध के बाद प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों से मांगपत्र लिया और उनकी मांगों को उच्च स्तर तक पहुँचाने का भरोसा दिया। हालांकि जाम खोल दिया गया, लेकिन वाहनों की लंबी कतारों के कारण यातायात पूरी तरह बहाल होने में करीब चार घंटे का समय लग गया। इस बीच पठानकोट टैक्सी यूनियन के जिला प्रधान रिंकू कुमार ने ऐलान किया है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो 1 अप्रैल को पठानकोट-डलहौजी और चंबा-धर्मशाला रूट को भी पूरी तरह ब्लॉक किया जाएगा। क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात है।

विशाखापट्टनम श्रद्धा वाल्कर बनी मोनिका... आरोपी प्रेमी ने हत्या कर शव के टुकड़े कर कई जगह फेंकें

-आरोपी भारतीय नौसेना में कार्यरत और पहले से शादीशुदा

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम से सामने आई दिल दहला देने वाली वारदात समाज में बढ़ती नृशंसता का एक और काला अध्याय है। एक नौसेना कर्मी द्वारा अपनी ही प्रेमिका की हत्या कर उसके शव के टुकड़े करने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह मामला न केवल एक जघन्य अपराध है, बल्कि रिश्तों में बढ़ते अविश्वास और डिजिटल युग के खतरों को दिखाता है।

इस मामले का मुख्य आरोपी चिंतादा रवींद्र है, जो भारतीय नौसेना में कार्यरत है और आईएनएस डेगा में तैनात है। मृतका की पहचान पोलिपल्ली मोनिका के रूप में हुई है। पुलिस जांच के अनुसार, रवींद्र शादीशुदा था, फिर भी वह मोनिका के साथ विवाहेतर संबंध में था। दोनों की पहली मुलाकात साल 2021 में एक डेटिंग एप के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे उनकी मुलाकातें बढ़ीं और वे एक-दूसरे के करीब आ गए। आरोपी रवींद्र के अनुसार, मोनिका ने उससे कथित तौर पर 3.5 लाख रुपये उधार लिए थे। विवाद तब और बढ़ गया जब मोनिका ने रवींद्र की पत्नी को उनके संबंधों के बारे में बताने की धमकी देना शुरू किया। घटना वाले दिन, रवींद्र ने मोनिका को अपने फ्लैट पर बुलाया। वहां बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर रवींद्र ने मोनिका का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने जो किया, वह किसी डरावनी फिल्म की पटकथा जैसा है। आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए ऑनलाइन चाकू ऑर्डर किया। शव को कई टुकड़ों में काटा और गंध से बचने के लिए उन्हें फ्रीज में छिपा दिया। वह धीरे-धीरे अंगों को अलग-अलग जगहों पर फेंकने लगा। रविवार को जब वह आदिवीवरम के सुनसान इलाके में मोनिका का सिर और हाथ जला रहा था, तब पुलिस की सक्रियता के कारण इस घिनौने कृत्य का पर्दाफाश हुआ।

यह घटना दिल्ली के कुख्यात श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड की याद दिलाती है, जहाँ आफताब नामक युवक ने श्रद्धा की हत्या कर उसके शव के 35 टुकड़े किए थे और उन्हें फ्रीज में रखा था। विशाखापट्टनम के इस मामले में भी फ्रीज और शव के टुकड़े करने का वही पैटर्न दिखाई देता है, जो अपराधी की ठंडे दिमाग से की गई प्लानिंग को दर्शाता है। वर्तमान में पुलिस आरोपी की निशानदेही पर शव के अन्य हिस्सों की तलाश कर रही है। यह घटना हमें सतर्क करती है कि ऑनलाइन मेल-जोल और अनैतिक संबंधों का अंजाम कितना भयावह हो सकता है। कानून की सख्ती ही इसतरह

के अपराधियों के मन में डर पैदा कर सकती है।

ईरान की सीमाओं के हालात देखिये, पक्का चौंक जाएंगे! युद्ध ने खड़ा कर दिया है बहुत बड़ा मानवीय संकट

नीरज कुमार दुबे

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है।

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया को एक गहरे मानवीय संकट में धकेल दिया है। बीते एक महीने से लगातार हो रही बमबारी ने न केवल हजारों लोगों की जान ली है, बल्कि लाखों लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक अमेरिका और इजराइल के हमलों में कम से कम 1937 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चौबीस हजार आठ सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। ये आंकड़े इस बात की गंभीरता को दर्शाते हैं कि यह संघर्ष अब व्यापक मानवीय आपदा बन चुका है।

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के मुताबिक, इस संघर्ष के कारण अब तक बत्तीस लाख से अधिक लोग ईरान के भीतर ही विस्थापित हो चुके हैं। तेहरान, इस्फहान और केरमानशाह जैसे बड़े शहरों में सबसे ज्यादा हवाई और ड्रोन हमले हुए हैं, जिसके चलते लोग इन इलाकों को छोड़कर अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों और कैस्पियन सागर के पास के उत्तरी इलाकों की ओर जा रहे हैं। लेकिन हालात इतने खराब हैं कि सुरक्षित स्थान भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह गए हैं। कई जगहों पर लगातार हमलों के कारण लोगों के सामने यह दुविधा है कि वे अपने घरों में रहें या पलायन का जोखिम उठाएं।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है। इसके अलावा पाकिस्तान, अजरबैजान, इराक और तुर्कमेनिस्तान में भी हजारों लोग पहुंचे हैं। यह पलायन इस बात का संकेत है कि लोगों को अब अपने देश में जीवन सुरक्षित नहीं लग रहा। डर, असुरक्षा और लगातार हो रहे हमलों ने आम नागरिकों को अपनी जान बचाने के लिए मजबूर कर दिया है।

वहीं सीमाओं पर हालात और भी ज्यादा कठिन होते जा रहे हैं। ईरान से भागकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंचने वाले लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राहत एजेंसियों के अनुसार, सीमाई चौकियों पर भारी भीड़, लंबी कतारें और सीमित

संसाधनों के कारण लोगों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी है।

इसके अलावा, सुरक्षा स्थिति भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर लगातार झड़पें और गोलाबारी हो रही है, जिससे शरण लेने आए लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। हाल के दिनों में सीमा क्षेत्रों में तोपखाने हमलों और सैन्य कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं, जिनमें आम नागरिक भी घायल हुए हैं। साथ ही कई बार सीमाएं अचानक बंद कर दी जाती हैं या सीमित समय के लिए खोली जाती हैं, जिससे हजारों लोग बीच रास्ते में फंस जाते हैं। कुछ मामलों में लोगों को जबरन वापस लौटाया जा रहा है, जबकि कई परिवार बिछड़ जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जो लोग एक युद्ध से बचकर भाग रहे हैं, वे अक्सर दूसरे संघर्ष और असुरक्षा के माहौल में पहुंच जाते हैं, जिससे उनकी स्थिति और भी दयनीय हो जाती है।

ईरान से भाग रहे लोगों की कहानियां भी बेहद मार्मिक हैं। कई लोग अपने देश की सरकार से नाराज हैं और इस संघर्ष को बदलाव का मौका मान रहे हैं। कुछ लोगों ने विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का समर्थन भी किया है, जो इस बात को दर्शाता है कि देश के भीतर असंतोष कितना गहरा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले 47 वर्षों का दर्द अब असहनीय हो चुका है। वहीं एक अन्य व्यक्ति, जो सात साल जेल में रहा, उसने कहा कि जो पीड़ा उन्होंने झेली है, उसे समझ पाना आसान नहीं है। हालांकि, लोग डर और उम्मीद दोनों के बीच जी रहे हैं। वह अपनी जान और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, लेकिन साथ ही यह भी चाहते हैं कि यह संघर्ष किसी बड़े बदलाव की ओर ले जाए।

वहीं ईरान में रहने वाले चालीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी इस संकट में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें से अधिकतर शहरों में रहते हैं, जो हमलों का मुख्य लक्ष्य बने हुए हैं। इनमें से कई लोगों की आजीविका खत्म हो चुकी है और उनके पास न तो सुरक्षित स्थान है और न ही देश छोड़ने की अनुमति है। बताया जा रहा है कि करीब पैंतीस हजार अफगान पहले ही वापस अपने देश लौट चुके हैं, जबकि दस लाख से अधिक लोगों पर जबरन वापसी का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि अफगानिस्तान खुद संकट से जूझ रहा है।

दूसरी ओर, ईरान के शहरों से आ रही तस्वीरें बेहद चिंताजनक हैं। कई इलाकों में घर, अस्पताल और स्कूल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। तेहरान के लगभग हर इलाके में इमारतों को नुकसान पहुंचा है। लोग अपने घरों की खिड़कियों पर टेप लगा रहे हैं ताकि कांच टूटने से होने वाली चोटों से बचा जा सके। इंटरनेट सेवाएं बाधित हैं और बैंकिंग व्यवस्था भी प्रभावित है, जिससे आम जीवन और कठिन हो गया है। लोग रातभर बम धमाकों की आवाज सुनते हुए डर के साये में जी रहे हैं।

उधर, मानवीय संगठनों का कहना है कि राहत कार्यों के लिए जरूरी धन की भारी कमी है। हर सप्ताह अरबों रुपये युद्ध पर खर्च हो रहे हैं, लेकिन प्रभावित लोगों के लिए भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। बताया जा रहा है कि ईरान में करीब अट्ठाइस लाख लोगों की मदद के लिए 80 मिलियन डॉलर की जरूरत है, जबकि अफगानिस्तान में 17.5 मिलियन लोगों के लिए 1.71 बिलियन डॉलर की आवश्यकता है। लेकिन अब तक इसका बहुत छोटा हिस्सा ही उपलब्ध हो पाया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह युद्ध जारी रहा तो यह एक और बड़े मानवीय संकट का रूप ले सकता है। लाखों लोग सीमाओं के पार जाने को मजबूर होंगे, जिससे पहले से दबाव झेल रहे देशों पर और बोझ बढ़ेगा। देखा जाये तो यह संघर्ष आम लोगों को ऐसी पीड़ा दे रहा है जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की जा रही है कि सभी पक्ष नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर हमले रोकें और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका के बीच यह युद्ध अब पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर मानवीय संकट बन चुका है। हजारों मौतें, लाखों विस्थापित लोग और बर्बाद होती जिंदगी इस बात का संकेत हैं कि अगर जल्द ही समाधान नहीं निकला तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

संपादकीय

हिंसा और मौत का शहर

राजधानी देहरादून की सड़कों पर अराजकता और हिंसा अब उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां लगता है कि जनपद के अंदर कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं है। राजधानी में खुले शराब के अड्डे आपसी जंग की रणभूमि बन चुके हैं जिसकी बानगी न जाने कितनी बार सामने आ चुकी है। देहरादून में एक और घटना ने समाज को झकझोर कर रख दिया है तो वहीं अब समय आ गया है कि पुलिस भी अपनी व्यवस्थाओं पर एक बार गंभीरता के साथ चिंतन करें। महज सोशल मीडिया और अखबारों की कतरनों में अपनी उपलब्धियां को दर्शाकर कानून व्यवस्था सुधरने वाली नहीं है। राजधानी में देर रात तक नियम कानून को तात्पर रखते हुए बार चलता है जहां बिल के विवाद को लेकर दो पक्ष में झगड़ा होता है जिसका परिणाम रास्ते में देखने को मिलता है। एक पक्ष अपने वहां से दूसरे पक्ष का पीछा करता है और उस पर गोलियां बरसता है जो कि मॉर्निंग वॉक पर निकले एक सेवानिवृत ब्रिगेडियर को लग जाती है जिनकी अस्पताल में मृत्यु हो जाती है। पूरा मामला शराब की खुमारी और अपना वर्चस्व दिखाने का है फिर चाहे इसे सड़कों पर खून ही क्यों ना बहाना पड़े। राजधानी की यही हालत हो गई है और आए दिन ऐसी घटनाओं ने शहर के पुराने लोगों को भयभीत कर दिया है। आबकारी विभाग से लेकर पुलिस विभाग ना जाने कौन सी कुंभकरण की नींद सोए हुए हैं जिन्हें अपने क्षेत्र में चल रहे रेस्टोरेंट और बार के बंद होने का समय तक मालूम नहीं है और ना ही इन स्थानों पर नियमित गश्त की जा रही है। असल में बाहर से आने वाले आपराधिक प्रवृत्ति के लोग हर क्षेत्र में है, गली मोहल्लों में कबाड़ी आदि की दुकानें भी बढ़ती जा रही है जिनसे भविष्य में चोरी की घटनाएँ भी बढ़ रही हैं। स्पा सेंटर, बार, क्लब के नाम पर अलग ही कहानी चल रही है। आखिर पुलिस इन् सबको रोकने में असफल क्यों है जबकि इतना सामान्य ज्ञान तो आम आदमी भी बता देगा कि अपराध क्यों बढ़ रहे है। इसका अर्थ तो यही है कि पुलिस व खुफिया तंत्र असफल हो रहा है, या फिर देख कर भी हर हरकत को नजरअंदाज किया जा रहा है। वर्तमान परिस्थितियों देहरादून में शरीफ लोगों के रहने लायक अब नहीं रह गई है। समझ से परे है कि आखिर एक बहुत बड़ी संख्या राजधानी में बाहरी लोगों की कैसे पनप रही है। अब तो आवश्यकता है पुलिस और नागरिको की सुझाव कमेटी बनाई जाए जिससे कुछ लाभ हो। दो गुटों के संघर्ष में एक देशभक्त पूर्व फौजी को बिना कारण अपनी जान गंवानी पड़ी। देश के दुश्मनों से लोहा लेने वाले ब्रिगेडियर को तो यह भी आभास नहीं रहा होगा की असली दुश्मन तो अब अपने आसपास ही घूम रहे हैं जिन्हें पहचाना ही सबसे बड़ी टेढ़ी खीर है। पूर्व की घटनाओं की तरह इस बार भी आरोपी पकड़े गए हैं लेकिन चिंता की बात यह है की पुलिस कार्रवाई के बावजूद भी हिंसा और उद्दंडता का यह खेल थमता हुआ नजर ही नहीं आ रहा है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

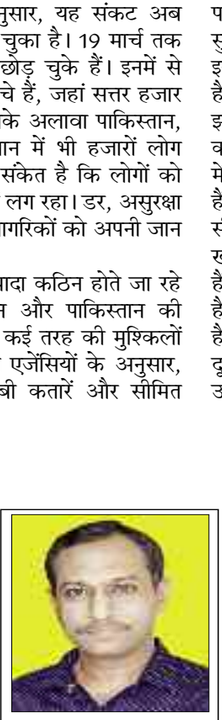

योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है।

महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है। उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दर्शाता है।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

सनत जैन

दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी के कारण संकट में...

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है।

डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा कर-के दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पदार्फाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी। युद्ध जल्दी ही बंद नहीं हुआ, तो इसके भीषण परिणामों की कल्पना नहीं की जा सकती है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ती चली जा रही है। सारी दुनिया के देशों में मंहगाई, बेरोजगारी और सामानों की उपलब्धता को लेकर अराजकता का माहौल बन रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, सामाजिक विकास में आर्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान होता है। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से बाजारवाद का असर सारी दुनिया के देशों में हुआ है। कर्ज की अर्थव्यवस्था सारी दुनिया के देशों में फैली है। इसका बुरा असर जल्द ही सारी दुनिया को आर्थिक महामंदी के रूप में देखने को मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

दो माह से लापता नाबालिग को सकुशल किया बरामद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : फरवरी माह से लापता चल रही एक नाबालिग को एंटी ह्यमन ट्रैफिकिंग टीम ने सकुशल बरामद कर लिया है। स्वजनों के साथ काउंलिंग करवाने के बाद नाबालिग को सिम्मलचौड़ स्थित पुनर्वास केंद्र में दाखिल करवाया गया। 3 फरवरी 2026 को हरियाणा निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 16 वर्षीय पुत्री की गुमशुदा होने की तहरीर पुलिस को दी थी। जिसके बाद एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ने नाबालिग की तलाश शुरू कर दी। पुलिस को नाबालिग की उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर में होने की सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस टीम ने बिजनौर पहुंचकर नाबालिग को सकुशल बिजनौर बस स्टेशन से बरामद कर लिया। सीडब्लूसी की उपस्थिति में विवेचक व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने किशोरी व स्वजनों की काउंसलिंग करवाई गई। बालिका ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते वह नाराज होकर घर से चली गई थी व उसके साथ किसी भी प्रकार कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। वह बिजनौर में काम की तलाश में थी। लेकिन, पहचान पत्र न होने के कारण उसे काम नहीं मिला। बालिका ने परिजनों के पास जाने से इनकार करने पर उसे सुरक्षा के दृष्टिगत सिम्बलचौड़ स्थित पुनर्वास केंद्र में सुरक्षित दाखिल कराया गया।

आज शिक्षकों को किया जाएगा सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से मंगलवार को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 36 शिक्षकों और 8 प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में देश के प्रख्यात पर्यावरणविद् पद्मभूषण एवं पद्मश्री डॉक्टर अनिल प्रकाश जोशी शिक्षकों को लॉट सूबेदार बदलभद्र सिंह नेगी शिक्षक सम्मान से सम्मानित करेंगे।

आशीष काला बनें शिक्षक अभिभावक संघ के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिध। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी के दिशा निर्देशन में शिक्षक अभिभावक संघ का गठन किया गया। जिसमें आशीष काला को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। अन्य पदों पर चंडी प्रसाद बेबनी को उपाध्यक्ष, सूदन कुमार को सह सचिव व शांतुनू थपलियाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा रूचि देवी, सुशांत, आशीष सिंह को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। इस मौके पर डा. विनोद सिंह, डा. सीमा कुमारी, डा. नवरत्न सिंह, डा. सुनीता नौटियाल, डा. अंशिका बंसल, डा. विजय लक्ष्मी, शेखर मैठानी मौजूद रहे।

कोटद्वार से डांडा नागराजा के लिए चले जीएमओयू बस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार से डांडा नागराजा के लिए जीएमओयू की बस सेवा शुरु करने की मांग की है। कहा कि इससे यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। इस संबंध में बंगानीखाल निवासी राजेश प्रकाश थपलियाल ने जीएमओयू को ज्ञापन दिया। बताया कि डांडा नागराजा मंदिर से सैकड़ों भक्तों की आस्था जुड़ी हुई है। पूर्व में डांडा नागराजा के लिए कोटद्वार से चार बसें संचालित होती थी। लेकिन, वर्तमान में यह बस सेवा बंद हो चुकी है। जिससे यात्रियों को सतपुली, बांघाट, बनेख, घंडियाल, कांसखेत, अधवानी, नाहसैन, बंगानी खाल होते हुए डांडा नागराजा जाते हैं। ऐसे में उन्हें बड़ा लंबा घूमकर जाना पड़ता है। यदि बस सेवा शुरु होती है तो यात्रियों को आसानी होगी।

आठ अप्रैल को मनाया जाएगा विचार मंच का स्थापना दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रामीण विकास नागरिक मंच का स्थापना दिवस आठ अप्रैल को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सदस्यों व पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। सोमवार को देवी रोड स्थित एक होटल में ग्रामीण विकास नागरिक मंच की बैठक हुई। विचार मंच के अध्यक्ष प्रवेश नवानी ने कहा कि विगत वर्षों की भांति भी इस वर्ष विचार मंच का स्थापना दिवस उल्लास के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण होगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य वन संरक्षक डा. साकेत बडोला मौजूद रहेंगें। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया। इस मौके पर प्रकाश कोठारी, शिव प्रकाश कुकरेती, डा. रमेश चंद्र नैथानी, जनार्दन प्रसाद ध्यानी, शशि मोहन उनियाल, इंद्रमणि देवरानी, चंद्र प्रकाश नैथानी, पातीराम ध्यानी, राजेंद्र कुमार वर्मा, विद्या नवानी, मोहन चंद्र मैंदोला, शंकर दत्त गौड मौजूद रहे।

हाईवे पर हाथी की धमक, नहीं दिख रहे चेतावनी बोर्ड

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी है हाथियों की धमक, पूर्व में हुए हादसों के बाद भी हाईवे पर नहीं दिख रहे चेतावनी बोर्ड, कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी है हाथियों की धमक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : यदि आप कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग से सफर कर रहे है तो जरा सावधान हो जाएं। दरअसल, गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही हाईवे पर हाथियों की धमक भी बढ़ने लगी है। लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र के जंगलों से निकलकर हाथी पानी की तलाश में खोह नदी तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में जरा सी लापरवाही आवागमन करने वालों के जीवन पर भारी पड़ सकती है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि पूर्व में हुए हादसों के बाद भी सिस्टम ने आज तक मार्ग पर चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए। जबकि, पूर्व में स्थानीय लोग इस समस्या को लेकर वन विभाग से शिकायत भी कर चुके हैं।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर धमके हाथी

कोटद्वार से दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र से सटा हुआ है। ऐसे में कई बार हाथी जंगल से निकलकर हाईवे पर पहुंच जाते हैं। लेकिन, इन दिनों गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही हाईवे पर हाथियों की धमक भी बढ़ने लगी है। हाईवे पार कर हाथी खोह नदी में पहुंच रहे हैं। हाथी की बढ़ रही धमक से हाईवे से आवागमन करने वालों के लिए भी खतरा बढ़ गया है। हाईवे के किस मोड पर गजराज किसके जीवन पर भारी पड़ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। जबकि, वन विभाग भी राहगीरों की सुरक्षा को लेकर लारवाह बना हुआ है। दरअसल, हाईवे पर पांच से अधिक ऐसे स्थान हैं जहां हाथियों का झुंड हाईवे पार कर खोह नदी में पहुंचता है। बकायदा हाथियों ने अपने आवागमन के लिए रास्ता भी बनाया हुआ है। ऐसे में होना तो यह चाहिए था कि वन विभाग इन स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाता। जिससे राह चलने लोगों को आगे आने वाले खतरे का पता चल जाता। लेकिन, सिस्टम अपनी जिम्मेदारी को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

राहगीर भी रहें सावधान

हाईवे से होते हुए खोह नदी में उतरने के दौरान कई लोग हाथियों को देखकर उत्साहित हो जाते हैं। ऐसे में वह कई बार उनके नजदीक जाकर फोटो खींचने लगते हैं। ऐसे में हाथियों का झुंड चिढ़ जाता है। जिससे वह लोगों को पीछे दौड़ने लगता है। कई बार लोग हाथियों के ऊपर पत्थर भी फेंकने लगते हैं। ऐसे में हाथी उग्र हो जाता है। सुरक्षा को देखते हुए राहगीरों को हाथियों के नदी में उतरने का इंतजार करना चाहिए, न कि उसके साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ करनी चाहिए।

ऐश्वर्या जंग ने जीता ग्रैंड फिनाले

ग्रैंड फिनाले में जीत दर्ज करने के बाद ऐश्वर्या जंग को पुरस्कृत करते आयोजक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार निवासी ऐश्वर्या जंग ने टीवी रियलिटी शो महासंग्राम के (सीजन 12) डांस के ग्रैंड फिनाले में जीत दर्ज की है। एश्वर्या निंब्बूचौड़ स्थित कैडिल पब्लिक स्कूल की छात्रा है। उसकी इस सफलता पर शिक्षकों व अभिभावकों ने खुशी व्यक्त की है। नौ वर्षीय एश्वर्या जंग के पिता योगेंद्र शमशेर जंग व माता शिल्पा जंग शिक्षक हैं। किसमें कितना है दम टैलेंट का महासंग्राम टीवी रियलिटी शो 2026 का सीजन 12 का ग्रैंड पिनाले चंडीगढ़ स्थित रयात बहारा यूनिवर्सिटी के आडोटोरियम में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में 18 प्रतियोगिताएं शामिल थी, जिसमें तीन नृत्य प्रतियोगिता में कुल 4 राउंड हुए, जिनमें प्रारंभिक राउंड कोटद्वार में, सेमीफाइनल नगीना में तथा फाइनल चंडीगढ़ में सम्पन्न हुआ। एश्वर्या के पिता योगेंद्र शमशेर जंग ने कहा कि सभी चरणों में एश्वर्या जंग ने शानदार प्रदर्शन कर बिजेता बनकर उभरी है। कहा कि इस उपलब्धि के पीछे उसकी कड़ी मेहनत व पूरे परिवार का आशीर्वाद रहा है।

जर्जर पुल से जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे स्कूली बच्चे

उत्तरकाशी। तहसील के बंचाणगांव और चपटाड़ी गांव के बीच मैड़ा खड्ड पर बना वर्षों पुराना पैदल पुल अब पूरी तरह जर्जर हालत में पहुंच चुका है। पुल की खराब स्थिति के कारण यहां से गुजरने वाले ग्रामीणों और स्कूली बच्चों की जान को हर वक्त खतरा बना हुआ है। लंबे समय से पुल के पुनर्निर्माण की मांग के बावजूद अभी तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। बंचाणगांव से करीब 40 छात्र-छात्राएं प्रतिदिन राजकीय इंटर कॉलेज सरनौल पढ़ने जाते हैं जिन्हें मजबूरन इसी जर्जर पुल से होकर गुजरना पड़ता है। इन दिनों खड्ड में पानी कम होने के कारण कुछ लोग सीधे खड्ड से आवाजाही कर लेते हैं लेकिन बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। पानी बढ़ने और तेज बहाव के चलते खड्ड से गुजरना असंभव हो जाता है जिससे ग्रामीणों और छात्रों को जान जोखिम में डालकर पुल का इस्तेमाल करना पड़ता है। क्षेत्र में कोई वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध नहीं है। ग्राम प्रधान उपेंद्र रावत ने बताया कि पुल के पुनर्निर्माण के लिए प्रस्ताव आपदा मद से स्वीकृति हेतु जिला प्रशासन के पास लंबित है लेकिन अब तक इसे मंजूरी नहीं मिल सकी है।

छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया

चमोली। अपर बाजार में संचालित आदर्श विद्या मंदिर पब्लिक जूनियर हाईस्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में छात्रों ने गढ़वाली, कुमाउंनी, जौनसारी, पंजाबी, राजस्थान आदि लोक गीतों पर प्रस्तुति दी। साथ ही सिवाई मल्ला और तल्ला की महिला मंगल दलों ने भी प्रस्तुतियां दीं। समारोह में छात्र–छात्राओं, पुरातन छात्र–छात्राओं को स्व. पंडित रामनायण शर्मा स्मृति एवं स्व. मगन लाल शाह और मुन्नी देवी शाह स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय के संस्थापक सदस्यों को सम्मानित किया गया।

121 लाख से होगा सौड़-गजेली मार्ग का डामरीकरण

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड खिर्सू के अंतर्गत गजेली गांव को जोड़ने वाले सौड़-गजेली मार्ग के डामरीकरण के लिए शासन ने 121 लाख रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। लोनिवि श्रीनगर की ओर से शीघ्र निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी जिसके बाद निर्माण कार्य धरातल पर उतर सकेगा। स्थानीय केशव रावत ने बताया कि करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा यह मार्ग पिछले कई वर्षों से बदहाल है। ग्रामीणों को करीब आठ वर्षों से अधिक समय से कच्चे और धूल-कीचड़ से भरे मार्ग से आवाजाही करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा था। गर्मियों में जहां सड़क पर धूल के गुबार उठते थे, वहीं बरसात में यही मार्ग दलदल में तब्दील हो जाता था। बदहाली के कारण सबसे अधिक दिक्कत स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को झेलनी पड़ती थी।

पोर्टल बंद होने से नहीं बन रहे राशन कार्ड

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पोर्टल बंद होने के कारण लोगों के राशन कार्ड नहीं बन पा रहे हैं। लगातार शिकायत के बाद भी इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। ऐसे में क्षेत्रवासियों ने एक बार फिर प्रशासन को इस समस्या से अवगत करवाया। कहा कि राशन कार्ड नहीं बनने से लोगों को कई योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जबकि, वर्तमान में विद्यालयों में आरटीई के तहत बच्चों का प्रवेश भी होना है।

इस संबंध में लोगों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। कहा कि गरीब परिवारों को बेहतर योजनाओं का लाभ मिल सकें इसके लिए उनके पास राशन कार्ड होना अति आवश्यक है। लेकिन, वर्तमान में विभागीय पोर्टल के सहीं ढंग से कार्य न किए जाने से राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया बाधित हो रही है। कहा कि कई लोगों के नए राशन कार्ड बनने है।

कोटद्वार तहसील में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते पार्षद

कई छोटे बच्चों के आरटीई के तहत विद्यालयों में प्रवेश होना है, जिसके लिए राशन कार्ड की अनिवार्यता है। कई लोगों के बगैर सूचना के लिए राशन कार्डों से नाम काट दिए गए है। कहा कि विगत दो माह से वार्ड संख्या 31 के पदमपुर मोटाढांक क्षेत्र के लोगों ने नए राशनकार्ड बनवाने के लिए आवेदन कर खाद्य आपूर्ति विभाग में जमा करवा दिए है, लेकिन उन आवेदनों पर कोई निर्णय नहीं हो पाया है। कहा कि पोर्टल बंद होने से सभी चालीस वार्डों में रहने वाले लोगों के लिए परेशानी हो रही है। उन्होंने जनहित में विभागीय पोर्टल को सुचारू करवाए जाने की मांग की है। इस मौके पर पार्षद सौरभ नौडियाल, मनोज शाह, हिमांशू वर्मा मौजूद रहे।

सेवानिवृत्ति पर शिक्षकों को दी विदाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सोमवार को 15 शिक्षकों की सेवानिवृत्ति पर देवी मंदिर स्थित ब्लॉक संशाधन केंद्र में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों के योगदान को याद किया गया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सूरज मोहन रावत ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2025-26 में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से एक साथ 15 शिक्षक सेवानिवृत्त हुए है। सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों में 6 प्रधानाध्यापक व 9 सहायक अध्यापक है।

जिन्हें फूलमाला व शाल ओढ़ाकर सम्मान पत्र भेंट किया गया। सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों में प्रधानाध्यापक हीरा सिंह नेगी, मोहन सिंह पटवाल, कमला धूलिया, सुशीला शर्मा, चंद्रप्रभा नेगी और सुनीता डबराल तथा सहायक अध्यापक वीरेंद्र प्रकाश पंत, प्रकाश चौधरी, राजेश रावत, विनोद काला, ओम प्रकाश तिवारी, राकेश वर्मा, ताहिर हुसैन, सुदेश नेगी, अर्पणा राणा शामिल रहे। इस अवसर पर शिक्षक संघ के जिलामंत्री भोपाल सिंह रावत, विपिन चौहान, देवेंद्र सिंह रावत, उमा बुडाकोटी, सुभाष बडोनी, इंदु गौड, जयचंद्र आर्य, कैलाश कुकरेती, सोम प्रकाश, मंजू खर्कवाल, सुमनलता, शिवप्रकाश सैलवाल, अरूण कुकरेती, सुरदीप गुसांई, सुरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान सम्मानित हुए शिक्षक

छात्रों ने सांस्कृतिक विविधता की झलक पेश की

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय में एनईपी सारथी की ओर से संयोगिता मंच भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली, कुमाउंनी, भोजपुरी, राजस्थानी, सिंधी, ब्रज और अवधी सहित विभिन्न भाषाओं व बोलियों में अपनी प्रस्तुतियां देकर सांस्कृतिक विविधता की झलक पेश की। आयोजन के माध्यम से भाषाई परंपराओं के प्रति सम्मान और सांस्कृतिक एकता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। यह पहल नई शिक्षा नीति के तहत मातृभाषा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि प्रो. एमसी सती ने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनके व्यापक उपयोग पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रशांत कंडारी ने बहुभाषिक शिक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया।

मेधावी विद्यार्थियों की माताएं कमला नेहरू पुरस्कार से सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : सरस्वती मंदिर इंटर कॉलेज देवप्रयाग में वार्षिक परीक्षा सहित अन्य प्रतियोगिता के सफल छात्र–छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए गए। वहीं हाईस्कूल, इंटर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की माताओं को कमला नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डबली देवी कोटियाल, सुनीता ध्यानी, ममता ध्यानी, विनीता ध्यानी, ऋतु मिश्रा तथा सीमा मिश्रा को एक हजार की धनराशि व प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुरेश कोटियाल, प्रबंधक भगवती प्रसाद कोटियाल, प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र शर्मा, शिशु मंदिर प्रधानाचार्य राजेश पंचपुरी आदि मौजूद थे। दूसरी ओर सरस्वती विद्या मंदिर हाईस्कूल श्रीनगर का वार्षिक परीक्षाफल सोमवार को घोषित किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश चंद्र मैठाणी ने बताया कि परीक्षाफल में श्रद्धा मेवाड़ ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इशिता ने 95 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय एवं शौर्य डबराल ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। (एजेंसी)

रचिता की शिक्षा का खर्च वहन करेगी रुक्मणी उत्कर्ष फाउंडेशन

श्रीनगर गढ़वाल : रुक्मणी उत्कर्ष फाउंडेशन के संस्थापक सुरेंद्र सिंह रावत ने कीर्तिनगर विकासखंड के नौड़ा धौलियाणा गांव की बालिका रचिता नेगी की शिक्षा का आजीवन जिम्मा उठाया है। रचिता (8) के पिता करण सिंह नेगी का निधन हो गया था। इसके बाद उसकी मां ने पुनर्विवाह कर लिया तो रचिता अपने दादा बुद्धि सिंह नेगी और दादी उर्मिला देवी के साथ रहने लगी। सीमित आय और अब बढ़ती उम्र के कारण दादा–दादी के लिए रचिता का पालन–पोषण और उसकी शिक्षा की व्यवस्था करना कठिन होता जा रहा था। साथ ही रचिता की पढ़ाई भी प्रभावित होने लगी थी। जब इस परिवार की स्थिति की जानकारी रुक्मणी उत्कर्ष फाउंडेशन के संस्थापक सुरेंद्र सिंह रावत को मिली तो उन्होंने बिना देर किए उसकी सहायता का निर्णय लिया। सोमवार को वे गांव पहुंचे और तत्काल राहत के रूप में 5100 रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। उन्होंने घोषणा की कि रुक्मणी उत्कर्ष फाउंडेशन रचिता की पढ़ाई–लिखाई का पूरा खर्च वहन करेगा। मदद मिलने पर रचिता के दादा–दादी भावुक हो उठे।

आर्थिक संकट से जूझ रहे रोडवेज कर्मचारी

श्रीनगर गढ़वाल : रोडवेज डिपो श्रीनगर के कर्मचारियों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिल पाया है जिससे उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। डिपो प्रभारी अशोक काला ने बताया कि श्रीनगर डिपो में कुल 56 कर्मचारी हैं जिनमें संविदा, नियमित, एजेंसी, पीआरडी और विशेष श्रेणी के कर्मचारी शामिल हैं।

इनमें अधिकांश अल्पवेतन भोगी हैं और उनकी आजीविका का मुख्य आधार यही वेतन है। वेतन न मिलने से कर्मचारियों को घर का खर्च चलाने, बच्चों की स्कूल फीस जमा करने और दैनिक जरूरतें पूरी करने में दिक्कतें आ रही हैं। कर्मचारियों का कहना है कि समय पर वेतन न मिलने से घर चलाना मुश्किल हो गया है।

गाय केवल पशु नहीं हमारी संस्कृति व आस्था का जीवंत प्रतीक भी है

संकल्प फाउंडेशन की ओर से भाबर में खोली गई गौशाला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : संकल्प फाउंडेशन की ओर से भाबर क्षेत्र में गौशाला का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मौजूद लोगों ने गाय के संरक्षण का भी संकल्प लिया। कहा कि गाय केवल पशु नहीं हमारी संस्कृति व आस्था का जीवंत प्रतीक है।

सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि सरकार गोसंरक्षण के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। इसके लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। संकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष इंद्रजीत रावत ने कहा कि सड़क पर घायल गौवंश के संरक्षण के लिए गौशाला खोली गई है। फाउंडेशन की टीम स्वयं ही धरातल पर पहुंचकर गौवंश का रेस्क्यू कर उसे सेंटर तक पहुंचाने का कार्य करेगी। कहा कि फाउंडेशन की ओर से समय-समय पर आमजन को गोसंरक्षण के लिए भी जागरूक किया जाता है। इस मौके पर गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पं. राजेंद्र अण्थ्वाल, आशीष रावत, आकांक्षा रावत, स्वामी ईश्वर दास, राजेंद्र बिष्ट, रजनीश बेबनी, जे.पी. बहुखंडी, सुखपाल शाह, मंगत राम, धर्मवीर गुसाईं, विनोद धूलिया, आनंद घिल्डियाल, कांता सैलवाल, गणेश धूलिया, सुषमा जखमोला एवं स्वामी अनन्ता नंद आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 30.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उत्तर मण्डल अभियन्ता / प्रथम द्वारा ई टेण्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेण्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेण्डर संख्या दिनांक	331-DRM-MB-25-26 24.03.2026	334-DRM-MB-25-26 24.03.2026
कार्य का नाम	Upgradation / modernization of infrastructure at Roorkee goods shed under Sr. DEN/I/MB	Miscellaneous bridge work in the section of SSE/W/DDN under ADEN/HW.
निविदा का प्रकार	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil
अनुमानित लागत	9,01,45,974.52	74,98,504.44
धरोहर राशि	18,02,900.00	1,50,000.00
टेण्डर क्लोजिंग दिनांक/समय	23.04.2026 16:00	23.04.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	09.04.2026	09.04.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 Months	06 Months

1063/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रंगारंग कार्यक्रम के साथ एनएसएस शिविर सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं नमामि गंगे के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हो गया है। इस मौके पर सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक का पुरस्कार पुरुष वर्ग में आनन्द सिंह, महिला वर्ग में पूनम, अनुशासित स्वयं सेवक का पुरस्कार सूरज दिया गया। राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, हंसेश्वर महादेव में चल रहे शिविर के समापन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महिला मंगल दल अध्यक्ष ग्राम हंस्यूड़ी गोदाम्बरी देवी, भगवती गिरी, प्रभारी प्राचार्य डॉ. छाया सिंह ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर एकल नृत्य एवं सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयं सेवियों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। एकल नृत्य में स्वयंसेवी पूनम ने प्रथम, आंचल ने द्वितीय एवं जिया बिष्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामूहिक नृत्य में स्वयंसेवी नेहा एवं ग्रुप प्रथम, पूनम एवं ग्रुप द्वितीय, पूजा एवं ग्रुप ने तृतीय स्थान पर रहा। प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. जूली एवं डॉ. अजय कुमार रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के शिविर स्वयं सेवियों को समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करते है। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष आशीष ममगाईं ने कहा कि इस प्रकार के शिविर से छात्र-छात्राओं के मन में समाज सेवा की भावना जागृत हो होती है और उसका लाभ समाज को मिलता हैं। प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि एनएसएस शिविर स्वयं सेवकों को अनुशासन, समयबद्धता, कर्त्तव्यनिष्ठा, आपसी भाईचारा और समाज सेवा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इस मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विवेक रावत ने सात दिवसीय विशेष शिविर की आख्या प्रस्तुत की। मंच का संचालन स्वयं सेवी आनन्द सिंह और दिव्या ने किया। इस अवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. सुधीर सिंह रावत, सहायक प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. प्रमिल्ला चौहान, डॉ. भुवन मेलकानी, धर्मेन्द्र सिंह, चन्दन सिंह जीना, बलबीर सिंह, धर्म सिंह, अनिल कुमार उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उत्तर मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई–टेण्डर निम्न टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेण्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेण्डर संख्या दिनांक	343-DRM-MB-25-26 Date 30.03.2026	344-DRM-MB-25-26 Date 30.03.2026
कार्य का नाम	Lubrication of curves using contractor's own track based rail Gauge Face Lubricator (Electronic type)-26 nos.	Supplying and spreading 10000 cum of 65 mm gauge machine crushed stone ballast on cess in ON-BLM and BLM-SPC section under Sr.DEN-II/MB.
टेण्डर क्लोजिंग दिनांक/समय	24.04.2026 16:00	24.04.2026 16:00
अनुमानित लागत (रु.)	4,18,06,482.40	1,96,62,700.00
धरोहर राशि (रु.)	3,59,100.00	3,93,300.00
टेण्डर कॉस्ट	10,000.00	0.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	10.04.2026	10.04.2026
आफर की वैधता	90 दिन	90 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	60 माह	08 माह

सं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 30.03.2026 1071/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर में निकाली प्रभात फेरी व पालकी यात्रा

श्रीनगर गढ़वाल : महावीर स्वामी की जयंती के अवसर पर जैन मंदिर में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आर्यिका 105 पूर्णमति माताजी संघ के साथ विराजमान रहीं और उनके सान्निध्य में कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह मंगल गीतों के साथ हुआ। इसके बाद जैन समुदाय के लोगों ने गोला बाजार, गणेश बाजार और वीरचंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग से होते हुए प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी मंदिर पहुंचने पर भगवान महावीर का अभिषेक व पूजन किया गया। इसके बाद पालकी यात्रा निकाली गई और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।

भाजपा के कई वरिष्ठ नेता कांग्रेस के संपर्क में : बुटोला

चमोली। कांग्रेस पार्टी ने ब्लॉक स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। कहा गया कि संगठन की मजबूती पार्टी के हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। पोखरी ब्लॉक सभागार में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने कहा कि प्रदेश सरकार की महंगाई, बेरोजगारी, अपराध पर अंकुश न लगाने, भ्रष्टाचार चरम पर होने से जनता बदलाव का मन बना चुकी है। भाजपा के कई पूर्व विधायक व वरिष्ठ नेता पार्टी के संपर्क में हैं और जल्द कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अभी से अपनी तैयारी पूरी रखनी होगी। जिलाध्यक्ष सुरेश डिमरी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि एकजुट होकर जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए हर मतदाता तक पहुंच बनाएं। सरकार की विफलताओं से जनता को अवगत कराएं। इस दौरान कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष ऊषा रावत, ब्लॉक अध्यक्ष रवि नेगी, महिला ब्लॉक अध्यक्ष कल्पना बर्त्वाल, ब्लॉक प्रमुख राजी देवी, ज्येष्ठ उपप्रमुख ऊषा कंडारी, पूर्व प्रमुख प्रीती भंडारी, मयंक नेगी, कालिका प्रसाद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जमाखोरी पर चला अभियान, 25 सिलिंडर किए जब्त

चमोली। बाजारों में व्यावसायिक गैस की आपूर्ति के संकट के बीच जमाखोरी को लेकर प्रशासन ने सोमवार को चेकिंग अभियान चला। इस दौरान बिना दस्तावेजों के 21 व्यावसायिक सिलिंडर सहित 25 सिलिंडर जब्त किए गए। कई लोगों ने अतिरिक्त सिलिंडर जमा किए हुए थे। साथ ही हिदायत दी गई कि गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी की तो सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सोमवार को उपजिलाधिकारी सोहन सिंह रांगड़, पूर्ति निरीक्षक क्रांति कुकरेती सहित अन्य अधिकारियों ने नगर के बाजारों में संचालित होटलों और उनके गोदामों का निरीक्षण किया। इस दौरान होटलों में कई घरेलू और व्यावसायिक सिलिंडर अतिरिक्त मिले जिन्हें मौके से जब्त किया गया। उपजिलाधिकारी सोहन सिंह रांगड़ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सिलिंडरों के

वैध दस्तावेज न होने पर सिलिंडर जब्त किए गए। इसके बाद एसडीएम सोहन सिंह रांगड़ ने सिमली स्थित गैस गोदाम का निरीक्षण किया और सिलिंडरों का स्टॉक चेक किया। साथ ही भरे हुए सिलिंडरों की नाप तोल की। जिन गांवों में सिलिंडर की गाड़ी नहीं पहुंच पाई है उन क्षेत्रों में जल्द आपूर्ति करने के निर्देश दिए।

महिलाओं में गुस्सा, वाहन रोककर मांगा सिलिंडर

गोपेश्वर। रसोई गैस की किल्लत और बैकलॉग बढ़ने पर अब लोगों में गुस्सा बढ़ रहा है। लगातार लाइन में लगने पर भी लोगों को गैस सिलिंडर नहीं मिल रहा है। सोमवार को भी विभिन्न जगहों पर गैस के वाहन पहुंचे लेकिन सिलिंडर नहीं मिलने पर आधे लोगों को बैरंग लौटना पड़ा। वहीं महिलाएं एक गैस वाहन के आगे खड़ी हो गईं। उन्होंने कहा कि रोज आकर लाइन में लग रहे हैं लेकिन सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं। काफी समझाने के बाद वह शांत हुईं। गोपेश्वर स्थित इंडेन गैस एजेंसी में लगातार बैकलॉग बढ़ता जा रहा है। शनिवार को बैकलॉग 1400 का था जबकि सोमवार को यह 1800 पहुंच गया। सोमवार सुबह के समय कुंड कॉलोनी, नैग्वाड़ व मंदिर मार्ग में गैस का वितरण किया गया।

बच्चों को मोबाइल से दूर रखने का आह्वान

चमोली। राजकीय जूनियर हाईस्कूल हरिशंकर में वार्षिकोत्सव और विज्ञान गोष्ठी का आयोजन किया गया। छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और विभिन्न मॉडल भी प्रस्तुत किए। वार्षिकोत्सव में छात्र–छात्राओं के अलावा गनियाला व हरिशंकर की महिला मंगल दल ने भी कई प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने गढ़ी लंका भीतर क्यांकि डाली होली..., द्वी गति बैशाख कोटेश्वर मेला..., सहित कई लोक गीतों से समां बांध दिया। विधायक लखपत बुटोला ने विज्ञान के मॉडलों का अवलोकन करते हुए अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल से दूर रखने की अपील की। कहा कि वैज्ञानिक सोच और ज्ञान से ही बच्चे भविष्य में आगे बढ़ सकते हैं। वहीं समापन पर पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी ने बेहतरीन आयोजन के लिए विद्यालय परिवार और ग्राम पंचायत हरिशंकर की सराहना की। इस दौरान अधिवर्षता पूर्ण कर चुके सहायक अध्यापक मनवर रावत को सभी ने विदाई दी। इस दौरान ग्राम प्रधान रिंकी देवी, कुंवर सिंह चौधरी, देव बर्त्वाल, इंद्रप्रकाश रडवाल, श्रवण सती, ठाकुर सिंह, बीडीसी सदस्य वीरेंद्र राणा आदि मौजूद रहे।

एसपी ने यात्रा को लेकर चल रही तैयारी की जानकारी ली

चमोली। पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार ने चारधाम यात्रा के सफल व व्यवस्थित संचालन के लिए सभी तैयारियां समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाईवे के चिह्नित खतरनाक स्थानों पर पर्याप्त पुलिस तैनात रखें।

एसपी ने सोमवार को मासिक अपराध गोष्ठी में यात्रा को लेकर चल रही तैयारी की भी जानकारी ली। एसपी ने कहा कि यात्रा मार्ग पर सुरक्षा के समुचित प्रबंधन किए जाएं। अधिक से अधिक क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाएं। उन्होंने बैरियर, पार्किंग व होल्डिंग प्वाइंट की व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने, जरूरत के अनुसार नए पार्किंग स्थलों को चिह्नित करने, अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही रम्माण, तिमुंड्या मेला और नीती घाटी में मई माह में होने वाली अल्ट्रा मैराथन दौड़ की भी तैयारी पूरी रखने को कहा। एसपी ने अन्य मामलों को लेकर भी जरूरी निर्देश दिए। साथ ही थाने में शस्त्रों का संचालन भी देखा। एसपी ने प्रयागराज महाकुंभ में संचार तंत्र को निर्बाध बनाए रखने व सुरक्षा इकाइयों के माध्य प्रभावी समन्वय बनाने में उत्कृष्ट योगदान के लिए चमोली के हेड कांस्टेबल अभिषेक राणा को यूपी सरकार की ओर से प्राप्त महाकुंभ सेवा मेडल व प्रशस्तिपत्र प्रदान किया। वहीं एसआई सत्येंद्र बुटोला व एएसआई भूपेंद्र सिंह को पुलिस मैन ऑफ द मंथ चुना गया। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक चमोली मदन सिंह बिष्ट, पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग त्रिवेंद्र सिंह राणा सहित अन्य पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस उपाधीक्षक ने किया बदरीनाथ हाईवे की चौकियों का निरीक्षण

गोपेश्वर। पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग त्रिवेंद्र सिंह राणा ने बदरीनाथ हाईवे की प्रमुख चौकियों का निरीक्षण किया।

उन्होंने पीपलकोटी, हेलंग, पाखीर, टंगड़ी, मारवाड़ी, पांडुकेश्वर, लामबगड़, हनुमान चट्टी व बदरीनाथ तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बदरीनाथ में बर्फबारी से हुए नुकसान का जायजा लेते हुए ठेकेदार को शीघ्र मरम्मत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाओं का पूर्व में आकलन कर लें ताकि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक आनंद सिंह रावत, प्रभारी निरीक्षक गोविंदघाट चित्रगुप्त, एसआई ललित मोहन जखमोला आदि मौजूद रहे।

ऋषिकेश में वाहनों के ग्रीनकार्ड बनने शुरू

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा के लिए सोमवार से व्यावसायिक वाहनों के ग्रीन कार्ड बनने शुरू हो गए हैं। वाहनों की फिटनेस की जांच कर पहले दिन 40 ग्रीन कार्ड जारी किए गए। यात्रा के लिए व्यावसायिक वाहनों को ग्रीन कार्ड बनाना अनिवार्य है। परिवहन विभाग की ओर से वाहनों के दस्तावेज और फिटनेस आदि देखने के बाद ग्रीन कार्ड जारी किए जाते हैं। एआरटीओ कार्यालय ऋषिकेश में पूजन और हवन–यज्ञ के बाद ग्रीन कार्ड बनाने का काम शुरू हो गया। मुख्य अतिथि अपर परिवहन आयुक्त सनत कुमार सिंह ने ग्रीन कार्ड कक्ष, वाहन निरीक्षण स्थल का रिबन काटकर कार्ड बनाने के काम का शुभारंभ किया। इस दौरान सुगम और सुरक्षित चारधाम यात्रा संचालन की कामना की गई। पहले दिन 40 बस, ट्रैक्सी और मैक्सी वाहनों को ग्रीन कार्ड जारी किए गए। हर दिन कार्यालय में व्यावसायिक वाहनों के ग्रीन कार्ड बनाए जाएंगे। एआरटीओ ऋषिकेश में ग्रीन कार्ड बनाने के लिए दो काउंटर खोले गए हैं। इस दौरान संयुक्त परिवहन आयुक्त राजीव मेहरा, उप परिवहन आयुक्त शैलेश तिवारी, सुनील शर्मा, नोडल अधिकारी चारधाम यात्रा और आरटीओ देहरादून संभाग संदीप सैनी, आरटीओ प्रवर्तन डॉ. अनीता चमोला, जनवीर सिंह, यातायात कंपनी के मनोज ध्यानी, बलवीर सिंह, प्यारेलाल जुगरान, योगेश उनियाल और मेघ सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

कपिलमुनी क्लब की टीम ने मारी बाजी

उत्तरकाशी। राजकीय इंटर कॉलेज मातली में युवा संघ मातली की ओर से आयोजित दो दिवसीय श्री कपिलमुनि कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमें कपिलमुनि क्लब की टीम ने बाजी मारी। प्रतियोगिता में आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। अंतिम दिन प्रतियोगिता के सेमीफाइनल और फाइनल का मुकाबला खेला गया। पहले सेमीफाइनल मुकाबले में कपिलमुनि क्लब ने कंवाडू क्लब को हराकर फाइनल में जगह बनाई। साथ ही दूसरे मुकाबले में चिन्यालीसौड़ ने गंगोरी को हराकर फाइनल मुकाबले में प्रवेश किया। उसके बाद खेले गए फाइनल मुकाबले में कपिलमुनि क्लब ने चिन्यालीसौड़ को हराकर विजय ट्रॉफी अपने नाम की। राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में ग्राम प्रधान श्रीष बहुगुणा ने विजेता और उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता में ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें जिला व राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार करने का अच्छा प्रयास है। कहा कि खेल से न केवल शारीरिक मजबूती मिलती है बल्कि आत्मविश्वास और अनुशासन भी विकसित होता है।

यमुनोत्री हाईवे : पालीगाड से जानकीचट्टी तक बना है मुसीबत

उत्तरकाशी। पालीगाड से लेकर जानकीचट्टी तक यमुनोत्री हाईवे चौड़ीकरण कार्य लगातार मुसीबत का सबब बना है। चौड़ीकरण से हाईवे संकरा और ऊबड़–खाबड़ हो गया है। वहां आए दिन वाहन फंस रहे हैं। खासकर मालवाहक वाहन चढ़ाई पार करते हुए सड़क पर ही फंस रहे जिससे घंटों लंबा जाम लग रहा। सोमवार को भी हाईवे पर मालवाहक वाहन फंस गए थे और जाम की स्थिति रही। ऐसे में मुसाफिरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पाली गाड से लेकर जानकीचट्टी तक इन दिनों ऑल वेदर परियोजना के तहत हाईवे चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। पिछले कई महीनों से चौड़ीकरण कार्य के कारण सड़क की स्थिति बदहाल बनी है। अप्रैल से चारधाम यात्रा भी शुरू होने वाली है। सड़क की हालत नहीं सुधरने पर यात्रा के दौरान दिक्कतें बढ़ सकती है। सिलाई बैंड के करीब आधा किमी हिस्से में आलम यह है कि धूप में धूल और बारिश से कीचड़ के कारण आवागमन करने में खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही वहां पर जाम की समस्या से और भी दिक्कत हो रही है। स्थानीय निवासी लोकेश चौहान, प्रमिंद राणा आदि का कहना है कि कई जगहों पर सड़क संकरी होने से वाहन फंस रहे हैं। स्थिति इतनी खराब है कि कई बार लोगों को वाहनों को पत्थरों और गुटखों के सहारे आगे बढ़ाना पड़ रहा है। हाईवे के इस चढ़ाई वाले हिस्से में दुर्घटना की आशंका भी लगातार बनी हुई है। यमुनोत्री मंदिर समिति के सचिव सुनील उनियाल, प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, मनमोहन उनियाल का कहना है कि चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले यदि सड़क की स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

उत्तर रेलवे

मुरादाबाद मंडल उत्तर रेलवे के (NSG-4, NSG-5 & NSG-6) श्रेणी के 78 स्टेशनों पर "स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एस टी बी ए) की नियुक्ति के लिए निविदा निमंत्रण की सूचना।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर रेलवे मुरादाबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से मुरादाबाद मंडल के अंतर्गत विभिन्न (NSG-5 & NSG-6 Railway Station) पर तीन वर्ष की अवधि के लिए और (NSG-4) श्रेणी के स्टेशनों पर एक वर्ष की अवधि के लिए (कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट प्रणाली (यू.टी.एस) द्वारा अनारक्षित रेल टिकटों को जारी करने हेतु टिकट बुकिंग एजेंट (एस.टी.बी.ए) की नियुक्ति हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों जो कि निविदा की नियम व शर्तें पूर्ण करते हों से दिनांक 21.04.2026 को 10:00 से 15:00 बजे तक निविदा आमंत्रित किये जायेंगे और 15:30 बजे खोला जायेगा।

निम्नलिखित "NSG-4, NSG-5 एवं NSG-6" श्रेणी के 78 स्टेशनों पर संविदा पर "एसटीबीए" की नियुक्ति की जानी है।

S. No.	Station Name	Station Code	Category of station	S. No.	Station Name	Station Code	Category of station
1.	ऋषिकेश	RKSH	NSG-4	40.	गुमथल	GTF	NSG-6
2.	हापुड़	HPU	NSG-4	41.	हर्रावाला	HRW	NSG-6
3.	नजीबाबाद	NBD	NSG-4	42.	हाफिजपुर	HZR	NSG-6
4.	चन्दौसी	CH	NSG-4	43.	इक्कड़	IKK	NSG-6
5.	आंझी शाहबाद	AJI	NSG-5	44.	जहानीखेड़ा	JKH	NSG-6
6.	आंवला	AO	NSG-5	45.	करना	KAR	NSG-6
7.	चान्दपुर सियाऊ	CPS	NSG-5	46.	काफूरपुर	KFPR	NSG-6
8.	धामपुर	DPR	NSG-5	47.	कठिलिया	KH	NSG-6
9.	गढ़मुक्तेश्वर	GMS	NSG-5	48.	कांकाठेर	KHE	NSG-6
10.	तिलहर	TLH	NSG-5	49.	काकोरी	KKJ	NSG-6
11.	बहजोई	BJ	NSG-5	50.	कांट	KNT	NSG-6
12.	कोटद्वार	KTW	NSG-5	51.	कौढ़ा	KUF	NSG-6
13.	अमरोहा	AMRO	NSG-5	52.	खरखौदा	KXK	NSG-6
14.	बालामऊ	BLM	NSG-5	53.	लढ़ौरा	LDR	NSG-6
15.	लक्सर	LRJ	NSG-5	54.	महरौली	MFH	NSG-6
16.	नगीना	NGG	NSG-5	55.	महेशरा	MHHR	NSG-6
17.	पिलखुआ	PKW	NSG-5	56.	मैगलगंज	MINJ	NSG-6
18.	राजा का सहसपुर	RJK	NSG-5	57.	मीरानपुर कटरा	MK	NSG-6
19.	संडीला	SAN	NSG-5	58.	मुण्डापाण्डेय	MPH	NSG-6
20.	पितम्बरपुर	PMR	NSG-6	59.	मुर्शदपुर	MSDR	NSG-6
21.	ऐथल	ATMO	NSG-6	60.	मसीत	MST	NSG-6
22.	बराल	BARL	NSG-6	61.	मेवानवादा	MWE	NSG-6
23.	बाबूगढ़	BBO	NSG-6	62.	नैमिषारण्य	NM	NSG-6
24.	बुन्दकी	BEK	NSG-6	63.	परसाखेड़ा	PKRA	NSG-6
25.	बघौली	BGH	NSG-6	64.	पपरी	PRI	NSG-6
26.	बिलपुर	BLPU	NSG-6	65.	कौसरी	QSR	NSG-6
27.	बतरा	BTRA	NSG-6	66.	कुबेरपुर रोड	QXR	NSG-6
28.	कल्टरबकगंज	CBJ	NSG-6	67.	रहीमाबाद	RBD	NSG-6
29.	धमोरा	DAM	NSG-6	68.	रोजा	ROZA	NSG-6
30.	धनेटा	DAN	NSG-6	69.	रायसी	RSI	NSG-6
31.	डिबाई	DIB	NSG-6	70.	शाहजादनगर	SAR	NSG-6
32.	दिलावरनगर	DIL	NSG-6	71.	सम्भल हातिमसराय	SHTS	NSG-6
33.	दलपतपुर	DLP	NSG-6	72.	सिम्भौली	SMBL	NSG-6
34.	दलेलनगर	DLQ	NSG-6	73.	स्नेह रोड	SNX	NSG-6
35.	धनारी	DN	NSG-6	74.	टोडरपुर	TDP	NSG-6
36.	डासना	DS	NSG-6	75.	टिसुआ	TSA	NSG-6
37.	ढोसनी	DSNI	NSG-6	76.	उमरताली	UTA	NSG-6
38.	दुगनपुर	DUN	NSG-6	77.	मौखी	MKHI	NSG-6
39.	चुड़ियाला	CDL	NSG-6	78.	हेमपुर	HMP	NSG-6

निविदा फॉर्म और उसकी शर्तें उत्तर रेलवे कि वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in से भी डाउनलोड किये जा सकते हैं, ठेके के लिए निविदा फॉर्म नियम एवं शर्तों सहित विस्तृत जानकारी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के कार्यालय से दिनांक 31.03.2026 से 20.04.2026, समय 10:00 hrs. से 17:00 hrs. बजे तक किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है जिसके लिए निविदा प्रपत्र का मूल्य रु० 1180/–) रु० 1000/– + जी एस टी (@18%) सहित (का भुगतान करना होगा। निविदा फॉर्म दिनांक 21.04.2026 को 10:00 से 15:00 बजे तक स्वीकृत किये जाएंगे और 15:30 बजे खोला जायेगा। डाउनलोड किये गए निविदा फॉर्म के साथ निविदा प्रपत्र का मूल्य रु० 1180/– (रु० 1000 + जी एस टी @18%) का डिमांड ड्राफ्ट संलग्न करना होगा जो कि "वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक" उत्तर रेलवे, मुरादाबाद (Sr. DFM/NR/Moradabad) के नाम देय होगा अन्यथा निविदा रद्द कर दी जायगी।

आवेदक यदि NSG-4 श्रेणी के स्टेशन के लिए आवेदन करते हैं तो रु० 10000/– की धरोहर राशि, NSG-5 श्रेणी के स्टेशन के लिए आवेदन करते हैं तो रु० 5000/– की धरोहर राशि एवं यदि NSG-6 श्रेणी के स्टेशन के लिए आवेदन करते हैं तो रु० 2000/– की धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट के रूप में संलग्न करनी होगी जो कि "वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक" उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के नाम देय होगा।

नोट: पूर्ण धरोहर राशि, निविदा प्रपत्र का मूल्य और सभी अन्य अपेक्षित कागजात (स्वयं सत्यापित) के बिना जमा किये गए आवेदन प्रपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। यदि निविदा खोलने वाले दिन 21.04.2026 को अवकाश घोषित हो जाता है, तो निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जाएगी।

फाइल: 1/STBA/POLICY/MB/2022/C | 1078/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सिलिंडर की आपूर्ति के लिए जारी किया गया एक सप्ताह का रोस्टर

उत्तरकाशी। जनपद मुख्यालय में रसोई गैस की आपूर्ति की समस्या और कई स्थानों पर लग रही लंबी लाइन को देखते हुए जिला पूर्ति विभाग और गैए एजेंसी की ओर से एक सप्ताह का रोस्टर जारी किया गया है। इसके अनुसार आज से छह अप्रैल तक जनपद मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में रसोई गैस सिलिंडर का वाहन चिह्नित स्थानों पर पहुंचकर आपूर्ति को पूरा करवाएगा। जनपद में रसोई गैस की आपूर्ति की समस्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। लोग सिलिंडर का वाहन पहुंचने की सूचना पर सुबह तड़के तीन से चार बजे से ही लाइनों में खड़े होकर इंतजार करते दिखाई दे रहे हैं। इस बीच कई स्थानों पर वाहन न पहुंचने पर लोगों में आक्रोश लगातार बढ़ता ही जा रहा है। बीते तीन दिन जोशियाड़ा में रसोई गैस सिलिंडर न मिलने पर लोगों ने उत्तरकाशी–लंबगांव मोटर मार्ग जाम कर दिया था। साथ ही इससे पूर्व लदाड़ी बैंड के समीप भी लोगों ने सड़क जाम कर दी थी। उसके बाद हरकत में आए प्रशासन ने अब गैस आपूर्ति के लिए रोस्टर जारी कर दिया है। जिला पूर्ति अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि उत्तरकाशी गैस एजेंसी की ओर से जारी रोस्टर के अनुसार 31 मार्च को गणेशपुर और ज्ञानसू पुलिस लाइन में रसोई गैस सिलिंडर मिलेगा। उसके बाद एक अप्रैल को मुस्टिकसौड़, दो अप्रैल को नेताला, तीन को कलेक्ट्रेट कॉलोनी, चार को जोशियाड़ा पार्किंग सहित पांच अप्रैल को रामलीला मैदान और छह अप्रैल को पटुड़ी धनारी में गैस की आपूर्ति की जाएगी।

भाजपा मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल ने कांग्रेस के धरने की निंदा की

देहरादून। मसूरी देहरादून मार्ग पर वैलीब्रिज बनाने की मांग को लेकर धरना देने पर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा मसूरी मंडल के अध्यक्ष रजत अग्रवाल ने धरना देने पर घोर निंदा की।उन्होंने कहा कि एक सप्ताह पहले मंत्री गणेश जोशी ने लोक निर्माण विभाग व मसूरी वन प्रभाग के अधिकारियों को वैलीब्रिज बनाने के निर्देश दे दिए थे और वहां पर कार्य शुरू हो चुका था।भाजपा मंडल मसूरी के अध्यक्ष रजत अग्रवाल ने कहा कि जब वैलीब्रिज का कार्य शुरू हो गया तब वैलीब्रिज निर्माण के लिए कांग्रेस का धरना केवल मीडिया में आने व जनता के बीच भ्रम फैलाने के लिए किया गया, जो खेद का विषय है। उन्होंने कहा कि वहां पर वन विभाग की आपत्ति थी जिसका तत्काल निदान किया गया। वहां पर कार्य शुरू हो चुका है जिसके तहत उसका बेस बनाने व झाड़ियों को काटा गया है। उन्होंने कहा कि 14 गाड़ी सामान ऋषिकेश से मसूरी वैलीब्रिज बनाने के लिए लाया जा रहा है। कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ लोगों व आम जनता को भ्रमित करने के लिए धरना दिया।

श्यामपुर में गैस एजेंसी कर्मचारी पर जानलेवा हमला, कर्मचारियों में रोष

ऋषिकेश। ऋषिकेश के श्यामपुर में एक गैस एजेंसी के डिलीवरी कर्मचारी के साथ मारपीट और जान से मारने की कोशिश का गंभीर मामला सामने आया है। घटना के बाद गैस एजेंसी संचालकों और कर्मचारियों में गहरा रोष व्याप्त है। कर्मचारियों ने श्यामपुर पुलिस चौकी पर प्रदर्शन कर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। पुलिस को दिए शिकायत पत्र के अनुसार एसएस इण्डेन गैस एजेंसी छिद्दरवाला का वाहन दैनिक गैस वितरण के लिए गढ़ी श्यामपुर गया था। वाहन पर दो कर्मचारी दिनेश और विनोद तैनात थे। वापसी के दौरान जब वे रास्ते में अदरक खरीदने के लिए रुके तभी पीछे से स्कूटी पर आए संजू निवासी गली नंबर 22 गढ़ी मयचक ने विवाद शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी शराब के नशे में था। उसने पहले ड्राइवर के साथ गाली–गलौज की।

दूसरे कर्मचारी विनोद ने बीच–बचाव करने की कोशिश की तो संजू ने अपने हाथ में पहने लोहे के कड़े से विनोद पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में विनोद बुरी तरह लहूलुहान हो गया। मारपीट के दौरान दिनेश ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो संजू ने दिनेश के कंधे पर लटका कैश बैग छीनने का प्रयास किया और मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर श्यामपुर पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची। घायल विनोद को तुरंत अस्पताल भेजकर उसका मेडिकल कराया गया है। गैस एजेंसी के मैनेजर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आरोपी का आचरण पहले से ही अपराधी प्रवृत्ति का रहा है। उन्होंने मांग की है कि आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

प्रीतम सिंह ने की अग्निकांड प्रभावित परिवारों से मुलाकात

उत्तरकाशी। फिताड़ी गांव में हुए भीषण अग्निकांड के पीड़ितों से रविवार को प्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रदेश सरकार से भवन बनाने के लिए ग्रामीणों को पेड़ उपलब्ध करवाने की मांग की। प्रीतम सिंह ने कहा कि अग्निकांड से प्रभावित परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में सरकार को तुरंत आगे आकर राहत प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार से प्रत्येक पीड़ित परिवार को कम से कम पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग की।

हाईवे का विकल्प जवाड़ी बाईपास सुधारने का काम शुरू

रुद्रप्रयाग। जनपद मुख्यालय में बढ़ते यातायात दबाव और हाईवे का विकल्प जवाड़ी बाईपास को सुधारने का काम शुरू हो गया है। एनएच और आरवीएनएल की ओर से बाईपास का सुधारीकरण किया जा रहा है। पिछले वर्ष बारिश के बाद भारी भू–धंसाव से बाईपास का करीब 600 मीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। वहीं आरवीएनएल के कार्यों के कारण बाईपास और पुल पर लगी लोहे की प्लेटें भी खराब हो गई थीं जिससे वाहन चालकों और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बाईपास की एप्रोच रोड को ठीक कर दिया गया था लेकिन हाल ही में हुई बारिश के बाद फिर जलभराव होने लगा था। इन समस्याओं को देखते हुए जिलाधिकारी ने हाल ही में क्षेत्र का

निरीक्षण कर एनएच और रेलवे निर्माण में लगी कार्यदायी संस्था को हाईवे दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। अब कार्य शुरू हो गया है। रेलवे निर्माण कंपनी की ओर रैतौली की ओर सुरंग के पास सीसी रोड बनाई जा रही है। वहीं एनएच की ओर से पुल की मरम्मत और जवाड़ी पार्क के पास सड़क का समतलीकरण किया जा चुका है। जल्द यहां डामरीकरण किया जाएगा। हालांकि स्थायी समाधान के लिए प्रशासन ने टीएचडीसी विशेषज्ञों की ओर से तैयार प्रस्ताव परिवहन मंत्रालय को भेजा है जिसकी मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है।

चार सूत्रीय मांगों पर पूर्व पैरामिलिट्री कार्मिकों का विरोध

अल्मोड़ा। पूर्व केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल कार्मिक संगठन की बैठक सोमवार को आयोजित हुई, जिसमें जिले के विभिन्न ब्लॉकों से सेवानिवृत्त अर्धसैनिक बल के कार्मिक शामिल हुए। बैठक में चार सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध जताते हुए आंदोलन की चेतावनी दी गई। बैठक में अर्धसैनिक बलों के लिए कल्याण बोर्ड का गठन, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुरूप लाभ देने और जिला स्तर पर प्रभावी कल्याण बोर्ड स्थापित करने की मांग उठाई गई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि ये मांगें न्यायसंगत हैं, लेकिन लगातार उपेक्षित की जा रही हैं। बैठक में प्रस्तावित सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स बिल पर भी आपत्ति जताई गई। पूर्व कार्मिकों ने कहा कि उच्च पदों पर आईपीएस अधिकारियों की तैनाती से जुड़े प्रावधानों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और उच्चतम

न्यायालय की टिप्पणियों का सम्मान किया जाना आवश्यक है। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार वादाखिलाफी कर रही है। हल्द्वानी में घोषित पैरामिलिट्री कल्याण बोर्ड का गठन चार महीने बाद भी नहीं हो सका है, जबकि गैरसैंण में मुलाकात के दौरान आश्वासन दिया गया था।

जिला स्तर पर भी कल्याण बोर्ड के गठन की स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर चिंता जताई गई। बैठक में सीजीएचएस सुविधा को लेकर भी समस्या उठाई गई। पूर्व कार्मिकों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए यह व्यवस्था अत्यंत जरूरी है, लेकिन इसके अभाव में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो 15 मई के बाद बड़ा जुलूस निकाला जाएगा। बैठक में मनोहर सिंह नेगी, टीडी शर्मा, के एस खनी, दीवान सिंह बोरा, आरपी जोशी, के एस अधिकारी, रमेश नेगी, चतुर सिंह, हरीश सिंह, नंदन सिंह, मदन मोहन, राम सिंह रजवार, हीरा सिंह, हीरा बल्लभ, गोपाल सिंह, महेंद्र कुमार मनराल सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com